षष्ठम् अध्याय
षष्ठम् अध्याय

सम्पूर्ण निष्कर्षों का सार, परिणामों की व्याख्या एवं सुझाव

6.1 चौथाई अध्याय में वर्णित प्रदत्तों के सांख्यिकीय विश्लेषणों के
द्वारा कुछ निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं, जो विभिन्न चरों के लिए
निम्नांकित हैं।

(क) मानसिक स्वास्थ्य :

विभिन्न प्रकार के विद्यालयों के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य के अध्ययन
पर प्राप्त निष्कर्ष :—

1. सरकारी विद्यालय के शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य, गैर-सरकारी
तथा अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में श्रेष्ठ पाया
गया। अतः सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य श्रेष्ठ
है।

2. शोध के आधार पर अंग्रेजी माध्यम व गैर सरकारी विद्यालयों के
शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य सामान्य पाया गया।

3. शोध के आधार पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य में
कोई अंतर नहीं पाया गया।

4. शोध के आधार पर मानसिक स्वास्थ्य का कार्य सत्तुष्टि एवं शिक्षण
योग्यता के मध्य सहसम्बन्ध नहीं पाया गया।

5. शोध के आधार पर सभी विद्यालयों की महिला शिक्षकाओं में
मानसिक स्वास्थ्य और कार्य सत्तुष्टि के मध्य सहसम्बन्ध पाया गया।
6. शोध अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि मानसिक स्वास्थ्य का कार्य सन्तुष्टि, शिक्षण योग्यता के सभी क्षेत्रों पर किसी प्रकार का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

(ख) कार्य सन्तुष्टि:

विभिन्न प्रकार के विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि से सम्बंधित प्राप्त निष्कर्षः

1. शोध के आधार पर गैर-सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि सरकारी तथा अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों के शिक्षकों की तुलना में श्रेष्ठ पायी गयी। अतः गैर-सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि श्रेष्ठ है।

2. शोध के आधार पर गैर-सरकारी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय के शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि साधायक दृष्टि से समान पायी गयी।

3. शोध के आधार पर अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि सबसे कम पायी गयी।

4. शोध अध्ययन में लिंग के आधार पर कार्य सन्तुष्टि में कोई अंतर नहीं पाया गया।

5. शोध के आधार पर सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों में कार्य सन्तुष्टि और शिक्षण योग्यता धनात्मक रूप से सह-सम्बन्ध है। इसका अर्थ यह हुआ कि अच्छी शिक्षण योग्यता वाले शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि भी अच्छी होती है।

6. शोध के आधार पर गैर-सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के अन्दर कार्य सन्तुष्टि और शिक्षण योग्यता में सह-सम्बन्ध उच्चकोटि का है।

उपरोक्त कथन है इसका अर्थ यह है कि जिन शिक्षकों की शिक्षण योग्यता अधिक है। उनकी कार्य सन्तुष्टि कम है।
7. शोध अध्ययन के आधार पर सभी विद्यालयों की महिला वर्ग में कार्य सन्तुष्टि एवं मानसिक स्वास्थ्य एक दूसरे से सह-सम्बन्ध रखते हैं।

(ग) शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत प्लानिंग स्केल:

विभिन्न प्रकार के विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत प्लानिंग स्केल अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष:

1. शोध अध्ययन के आधार पर गैर-सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत प्लानिंग स्केल में सरकारी तथा अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों की तुलना में श्रेष्ट पायी गयी। अतः हम यह कह सकते हैं कि गैर-सरकारी विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत प्लानिंग स्केल श्रेष्ट है।

2. शोध के आधार पर सरकारी व अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत प्लानिंग स्केल समान्य पाया गया।

3. शोध अध्ययन में लिंग के आधार पर पुरुष और महिला शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत प्लानिंग स्केल में सार्थक अन्तर विद्यमान है।

4. शोध अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि मानसिक स्वास्थ्य का शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत प्लानिंग स्केल पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ता है।

(घ) शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत प्रेजेंटेशन स्केल:

विभिन्न प्रकार के विद्यालयों के शिक्षकों में शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत प्रेजेंटेशन स्केल के अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष:

1. शोध अध्ययन के द्वारा यह पता चला है कि अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत प्रेजेंटेशन स्केल में
सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की तुलना में श्रेष्ठ पायी गयी। अतः अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत प्रेजेंटेशन स्केल श्रेष्ठ है।

2. अंग्रेजी माध्यम व गैर सरकारी विद्यालय की शिक्षण योग्यता का प्रेजेंटेशन स्केल सौंदर्यकीय दृष्टि से समान्य पाया गया है।

3. सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता प्रेजेंटेशन स्केल सबसे कम पायी गयी।

4. शोध अध्ययन में लिंग के आधार पर पुरुष और महिला शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत प्रेजेंटेशन स्केल में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

5. शोध अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि मानसिक स्वास्थ्य का शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत प्रेजेंटेशन स्केल में किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ता है।

(इ.) शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत क्लोजिंग स्केल:

विभिन्न प्रकार के विद्यालयों के शिक्षकों में शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत क्लोजिंग स्केल के अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष:

1. शोध अध्ययन के आधार पर गैर-सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत क्लोजिंग स्केल सरकारी तथा अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों की तुलना में श्रेष्ठ पायी गयी। अतः हम यह कह सकते हैं कि गैर-सरकारी विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत क्लोजिंग स्केल श्रेष्ठ है।

2. शोध के आधार पर सबसे कम क्लोजिंग स्केल सरकारी विद्यालय में शिक्षकों की पायी गयी।
3. शोध अध्ययन में लिंग के आधार पर शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत क्लोजिंग में कोई अंतर नहीं पाया गया।

4. शोध अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि मानसिक स्वास्थ्य का शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत क्लोजिंग स्केल पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ता है।

(च) शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत इवैल्यूएशन स्केल :

विभिन्न प्रकार के विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत इवैल्यूएशन स्केल के अध्ययन में प्राप्त निष्कर्ष :-

1. शोध अध्ययन के आधार पर यह पता चलता है कि शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत इवैल्यूएशन स्केल पर किसी भी विद्यालय के शिक्षकों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

2. शोध अध्ययन से लिंग के आधार पर भी इवैल्यूएशन पर कोई अंतर नहीं है।

3. शोध अध्ययन के आधार पर मानसिक स्वास्थ्य का शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत इवैल्यूएशन स्केल पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ता है।

(छ) शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत मैनेजमेंट स्केल :

विभिन्न प्रकार के विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत मैनेजमेंट स्केल के अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष :-

1. शोध अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि सभी विद्यालय के शिक्षकों का शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत मैनेजमेंट स्केल में कोई अंतर नहीं है।

2. शोध अध्ययन से लिंग के आधार पर भी मैनेजमेंट स्केल पर कोई अंतर नहीं है।
3. शोध के आधार पर मानसिक स्वास्थ्य का शिक्षण योग्यता के अंतर्गत मैनेजमेंट एपल पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ता है।

(ज) शिक्षण योग्यता का सम्पूर्ण योग:

विभिन्न प्रकार के विद्यालयों के शिक्षकों का शिक्षण योग्यता के अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष:

1. शोध अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता श्रेणी--सरकारी व सरकारी माध्यम के विद्यालयों के शिक्षकों की तुलना में श्रेष्ठ पायी गयी। अतः हम यह चाहते हैं कि अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के शिक्षकों को शिक्षण योग्यता सबसे श्रेष्ठ है।

2. शोध के आधार पर सरकारी विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता सबसे कम पायी गयी।

3. शोध अध्ययन में लिंग के आधार पर शिक्षण योग्यता में कोई अंतर नहीं पाया गया।

4. शोध अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि मानसिक स्वास्थ्य का शिक्षण योग्यता पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ता है।

5. शोध अध्ययन के आधार पर गैर सरकारी महिला शिक्षकों के वर्ग में केवल कार्य सन्तुष्टि और शिक्षण योग्यता ही अधिकतम रूप से सही--सम्बन्धित है। इसका अर्थ यह है कि जिन महिलाओं की शिक्षण योग्यता अच्छी है उनकी कार्य सन्तुष्टि अच्छी नहीं है।
6.2 परिणामों की व्याख्या:

प्रस्तुत शोध के परिणामों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों पर व्यवसाय से सम्बन्धित चिंता, कार्यों का दबाव, गैर-सरकारी एवं अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों की तुलना में कम होता है। इसका मुख्य कारण उनका अपने व्यवसाय की सुरक्षा एवं सेवा की दशायों हो सकती हैं। इसीलिए उनका मानसिक स्वास्थ्य अन्य दोनों विद्यालयों के शिक्षकों की तुलना में श्रेष्ठ पाया गया।

शोध अध्ययन के परिणामों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि शिक्षण कार्य के लिए आवश्यक उपकरण, प्रयोगशाला में उचित उपकरण, उचित वेतन, सुचारू पठन-पाठन, अस्वस्थ्य होने की दशा में अवकाश की सुविधा आदि गैर-सरकारी व अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में कार्य सन्तुष्टि अधिक पायी गयी है। इसी कारण गैर-सरकारी व अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि सरकारी विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में अधिक पायी गयी।

इसका कारण यह हो सकता है कि सरकारी विद्यालयों में सेवा की सुरक्षा तो है किन्तु शिक्षण कार्य के लिए विद्यालय में शिक्षण उपकरणों का अभाव, विद्यालय भवन का अभाव, श्रृंखल-दृष्ट सामग्री का अभाव, इत्यादि कारण हो सकते हैं।

शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के सन्दर्भ में अंग्रेजी माध्यम व गैर-सरकारी विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता सरकारी विद्यालय की तुलना में अधिक पायी गया। गैर-सरकारी विद्यालय में शिक्षक अपने विषय की पूर्ण तैयारी के साथ कक्षा अध्यापन कार्य करते हैं तथा छात्रों की व्यक्तिगत भेदों को ध्यान में रखते हुए कक्षा कार्य एवं गृहकार्य प्रदान करने में छात्रों के चरित्र निर्माण व अध्ययन की अच्छी आदतें विकसित करने में वास्तव में सहायक पाये गये हैं।

इसका कारण यह हो सकता है कि गैर-सरकारी तथा अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में प्रबंधक तथा प्रधानाध्यापक का शिक्षकों पर अवलोकन किया जाता है
जिनके कारण शिक्षक अपने शिक्षण कार्य के प्रति अधिक सजक होते हैं, जब कि सरकारी विद्यालय में शिक्षकों की सेवा सुरक्षा तो है। इसी कारण सरकारी विद्यालय के शिक्षक अपने शिक्षण योग्यता में गैर-सरकारी की अपेक्षा कम योग्य होते हैं तथा सरकारी विद्यालय में शिक्षण योग्यता का अभाव पाया गया है।

6.3 उल्लेखनीय बिंदुः

1. तीनों प्रकार के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शिक्षण योग्यता और कार्य सन्तुष्टि में सार्थक अन्तर पाया गया है। सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य अन्य दो विद्यालयों की तुलना में सर्वाधिक श्रेष्ठ है। जब कि गैर-सरकारी विद्यालय व अंग्रेजी माध्यम वाले विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शिक्षण योग्यता सरकारी विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में अधिक पायी गयी।

2. सरकारी विद्यालय के शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य सबसे अधिक अच्छा है क्योंकि सरकारी विद्यालय के शिक्षकों को अधिक अनुभव होता है और उनको अपनी नौकरी के बारे में चिंता नहीं होती है। इसी कारण उनका मानसिक स्वास्थ्य अधिक अच्छा होता है।

3. कम प्रभावपूर्ण शिक्षकों के वर्ग में अधिक अनुभवी शिक्षकों का प्रतिशत सबसे अधिक पाया गया है।

4. गैर-सरकारी विद्यालय के शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि अधिक श्रेष्ठ पायी गयी है।

5. शिक्षकों के शिक्षण योग्यता के अन्तर्गत सभी क्षेत्रों—प्लानिंग/प्रोजेक्टेशन/ कलोजिंग/इवेल्यूएशन/मैनेजमेंट सेल सम्बन्धित योग्यताओं का एक दूसरे से उच्चकोटि का सार्थक आत्मवांतिक सह-सम्बन्ध देखा गया है।
6. तीनों प्रकार के माध्यमिक विद्यालयों के प्रशासनात्मक व्यवहार में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

7. सरकारी विद्यालयों के पुरुष शिक्षकों के वर्ग में कोई भी चर राशि किसी दूसरे से सार्थक रूप से सह-सम्बन्धित नहीं है।

8. गैर-सरकारी विद्यालयों के पुरुष शिक्षकों के वर्ग में भी कोई भी चर राशि किसी दूसरी राशि से सार्थक रूप से सह-सम्बन्धित नहीं है।

9. अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के वर्ग में भी चर राशियों में आपस में कोई सह-सम्बन्ध नहीं है।

10. सभी वर्गों में (A) मानसिक स्वास्थ्य और कार्य सन्तुलि (B) मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षण योग्यता में कोई सार्थक सह-सम्बन्ध नहीं है।

6.4 भावी शोध कार्य हेतु सुझाव:

प्रस्तुत शोध अध्ययन के द्वारा शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शिक्षण योग्यता और कार्य सन्तुलि के सम्बन्ध का अध्ययन पर वास्तविक स्थिति उजागर करने का प्रयास किया गया है। लेकिन शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य अत्यन्त महत्वपूर्ण शोध विषय है अतः इस समस्या पर और अलग विस्तृत ढंग से शोधकार्य करने की प्रबल सम्भावनायें है अतः इसी क्षेत्र में भविष्य में शोध कार्य करने हेतु शोधार्थिनी द्वारा कुछ विन्यास सुझाव प्रस्तुत हैं ताकि भावी शोधकर्ताओं सुझावों से लाभ उठा सकें।

1. प्रस्तुत शोधकर्ताओं में माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक व शिक्षिकाओं को चयनित किया गया है। अतः इस क्षेत्र से प्राथमिक या उच्च स्तर के विद्यालयों के शिक्षक व शिक्षिकाओं पर भी अध्ययन किया जा सकता है।

2. शोध अध्ययन में कानपुर नगर के विद्यालयों को ही लिया गया है। अतः ग्रामीण क्षेत्रों या प्रान्तीय स्तर के आधार पर बड़े पैमाने में विद्यालयों के
शिक्षकों को और शिक्षिकाओं को न्यायदर्श में शामिल करके अध्ययन किया जा सकता है ताकि परिणाम और अधिक विश्वसनीय प्राप्त हो सकें।

3. शोध अध्ययन में नगर निगम व स्ववित्त पोषित विद्यालयों के शिक्षकों को न्यायदर्श में लेकर अध्ययन किया जा सकता है।

4. अन्तरसंख्यक विद्यालयों या मिशनरी विद्यालयों व नवोदय विद्यालयों के शिक्षक व शिक्षिकाओं पर भी इस क्षेत्र में अध्ययन की पुष्टि की जा सकती है।

5. माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य व उनकी शैक्षिक उपलब्धियों के आधार पर भी किया जा सकता है।

6. विभिन्न व्यवसाय के शिक्षक जैसे — मेडिकल व इंजीनियरिंग आदि के शिक्षकों पर भी अध्ययन की पुष्टि की जा सकती है।

7. शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य का मूल्यांकन उनके प्रधानाचार्यों के द्वारा कराया जाये। क्योंकि हमने अनुभव किया कि इससे और अधिक विश्वसनीय व वैध निष्कर्ष प्राप्त हो सकते हैं।

8. शोध अध्ययन में शिक्षकों और शिक्षिकाओं की संख्या वृद्धि न्यायदर्श में करके एवं अन्य सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग करके अलग-अलग वृद्धिकोण प्राप्त होंगे। अतः उन्हें निष्कर्षों के आधार पर अध्ययन की पुष्टि की जा सकती है।

इस प्रकार हम देखते है कि इस क्षेत्र में विस्तृत शोध कार्य किये जाने की प्रबल सभावाणियाँ हैं।

6.5 प्रस्तुत शोध कार्य का शैक्षिक महत्त्व : 

प्रस्तुत शोध के अध्ययन से पता चलता है कि गैर-सरकारी विद्यालय व अंग्रेजी माध्यम वाले विद्यालयों के शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य अधिकांश ठीक नहीं रहता है। अतः सरकार को उनको आवश्यक वेतन संस्था या विद्यालयों के
पुस्तकालय में सदैव पुस्तकें उपलब्ध हों, पदोन्नति के अवसर प्रदान करना, विद्यालयों में प्रयोगशालाएँ में उचित उपकरण उपलब्ध हो, कार्य का अधिक बोझ न हो, शृव्य - दृश्य उपकरण सदैव उपलब्ध हो, अवकाश प्राप्ति के पश्चात् मिलने वाली सुविधायें उपलब्ध हो सभी विद्यालयों के शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया जा सकता है।

इसी तरह सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता व कार्य सन्तुष्टि अच्छी नहीं है। अतः सरकार को चाहिए कि माध्यमिक विद्यालयों में कुछ सुधार करे। जिससे कि शिक्षक अपने शिक्षण योग्यता का प्रयोग करके अपने कार्य से सन्तुष्टि का अनुभव कर सकें।

हम कुछ सुझाव प्रस्तुत कर रहे हैं:— विद्यालय में सभी अध्यापक या अध्यापिकाएं आपस में सहयोग की भावना से कार्य करें, कक्षा में पठन-पाठन का कार्यक्रम सुविधायों के साथ भर लिया जाये, सह-अध्यापकों के साथ अच्छे समबंध स्थापित करने में सक्षम हो और उनके साथ सुखद सामन्जस्य अनुभव करें, व्यवसाय में नियमित अध्यापन कार्य के अतिरिक्त कार्य करने पर अतिरिक्त धन मिलने की व्यवस्था हो, सुविधाजनक वेतन मान हो, कक्षाओं में प्रकाश व हवा का समुचित प्रवचन हो, व्यवसायिक योग्यता बढ़ाने के उचित अवसर प्रदान किये जाये। विद्यालय पहुँचने में कोई असुविधा न हो, अवकाश प्राप्ति के पश्चात् मिलने वाली सुविधायें उपलब्ध हो आदि। ताकि सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता व कार्य सन्तुष्टि में सुधार किया जा सके जिससे माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शिक्षण योग्यता और कार्य— सन्तुष्टि पर अच्छे समबन्ध पाया जा सकता है।

इस प्रकार प्रस्तुत शोध के परिणामों तथा दिये गये सुझावों को अपना कर माध्यमिक विद्यालय अपने—अपने विद्यालयों के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य शिक्षण योग्यता में सुधार ला सकते हैं।

अतः प्रस्तुत शोध कार्य के परिणाम माध्यमिक विद्यालय के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।